SELCO

Date :

HISTORY (H)

B.A - II

UNIT - II (Sultanate)

(B) Ruling elites.

Central structure

केन्द्रीय संरचना

पृष्ठभूमि:-

मुस्लिम राज्य सैद्धांतिक रूप से धर्मावलंबी या धर्म प्रधान राज्य था खलीफा पूरे मुस्लिम जगत का प्रधान होता था। सुलतान की उपाधि तुर्कों द्वारा प्रदान की गई थी। महमूद गजनवी पहला शासक था जिसने सुलतान की उपाधि धारण की।

इल्तुतमीश पहला सुल्तान था, जिसने सल्तनत की सरक्षा(

Scanned with CamScanner

में वंशानुगत शासन का सिद्धांत लागू किया उसने अपनी पुत्री रजिया को उत्तराधिकारी मनोनीत किया।

⇒ केन्द्रीय प्रशासन :→

- सुल्तान :-

सुल्तान प्रशासन, न्याय, सेना का सर्वोच्च अधिकारी था। औपचारिक रूप से सुल्तान नयाब था। तथा सम्प्रभुता के लिये सुल्तान द्वारा सिक्के चलाना, खुत्बा पढ़ना जैसे कार्य किये जाते थे। सुल्तान निरंकुश शासक होता था, लेकिन उसकी निरंकुशता पर अमीर, उलेमा व शरीयत का नियंत्रण होता था।

⇒ तुर्की राज्य द्वारा अलग - अलग क्षेत्रों में अलग - अलग शासन पद्धतियाँ ग्रहण की गई। जैसे -

Scanned with CamScanner

SELCO

Date :

- प्रशासन - तुर्की फारसी परंपरा से प्रभावित।
- सैन्य परम्परा - तुर्की मंगोल परंपरा से प्रभावित।
- राजस्व व्यवस्था - फारसी (ईरान) परंपरा से प्रभावित।
- ग्रामीण प्रशासन - भारतीय परंपरा से प्रभावित।

⇒ केन्द्रीय प्रशासन में कुछ संस्थाएँ 4 विभाग व अनेक सहायक विभाग व अधिकारी सुल्तान की सहायता करते हैं -

→ बर्र - ए - खास :-
इस संस्था में महत्वपूर्ण अमीर सुल्तान को प्रशासनिक सहायता देते हैं।

→ बर्र - ए - आम :
इसमें सुल्तान न्याय का कार्य सर्वोच्च न्यायाधिकारी के रूप में करता है।

Scanned with CamScanner

Date :

- मजलिस -ए- खलवत :-
इस संस्था में महत्वपूर्ण सि० विद्वान सुल्तान के मित्र वफादार नियुक्त किये जाते हैं।

⇒ विभाग :-
(i) दीवान -ए- विजारत —
(वित्त विभाग) -
वजीर इस संस्था का प्रमुख होता था। इसके कार्य इस प्रकार थे।
- राज्य की आय - व्यय का ब्योरा रखता था।
- अधिकारियों के वेतन व इक्ता बाँटना।
⇒ नायब वजीर :-
इसका अपना पृथक रूप से विभाग होता था।
- मुशरिफ - ए - मुमालिक -
इसे महालेखाकार भी कहा जा सकता थी।

Scanned with CamScanner

SELCO

Date :

- खजीन - यह खजांची कहलाता था।
- दीवान - ए - वकूफ - यह अधिकारी जलालुद्दीन खिलजी के समय था। इसका काम बाजार नियंत्रण प्रणाली की देखभाल करना था।
- दीवाने - मुस्तखराज :-
इसका कार्य राजकीय कर्मचारियों से सरकारी देनदारी वसूल करना था।
- दीवाने - अमीर - कोही - इस विभाग का कार्य कृषि कार्य में सुधार करना था।
- वजीर - फिरोज तुगलक के समय प्रशासन में सहायता के लिए वर्तमान वजीर के अलावा भूतपूर्व वजीरों से भी सलाह ली।

-> दीवाने - आरिज (अर्ज)

यह सैन्य विभाग था। इसकी

Scanned with CamScanner

Date : ________

प्रारंभ का प्रमुख बलबन कहा जाता था। इस विभाग का कार्य - सैनिकों की नियुक्ति, प्रशिक्षण, दाग - हुलिया प्रथा लागू करना तथा सैनिकों की आवश्यकताओं की पूर्ति करना।

- बलबन के समय स्थायी सेना स्थापित की गई थी।
- सल्तनत कालीन सैन्य व्यवस्था मंगोलों की दशमलव प्रणाली पर आधारित थी। -

सेना की दशमलव प्रणाली

खान - सर्वोच्च पद
↓
मालिक
↓
अमीर
↓
सिपहसालार - सबसे छोटा

SELCO

Date :

- सिपहसालार → 10 घुड़सवार इसके अधीन होते थे।
- अमीर - इसके पास 100 घोड़े होते थे। 10 सिपहसालार इसके अंतर्गत होते थे।
- मालिक - इसके पास 1000 घोड़े होते थे। 10 अमीर इसके अधीन होते थे
- खान -
इसके पास 10,000 घोड़े होते थे। 10 मालिक इसके अधीन होते थे।
सब से ऊपर सुल्तान होता था।

→ दीवाने इंशा -
यह पत्राचार का विभाग होता था। इस विभाग का कार्य दरबारी कार्यों का लेखन करना, सुल्तान के फरमान (आदेश) अमीरों, जनता या फिर किसी अन्य शासक तक पहुँचाना होता था।

→ दीवाने ए - रियासत (धार्मिक

Scanned with CamScanner

Date : ______

विभाग :-

इसका प्रमुख सद्र-उस-सुदूर होता था। इस विभाग का कार्य सुल्तान को धार्मिक परामर्श देना। शरीयत के कानूनों का पालन करवाना होता था। धार्मिक अनुदान प्रदान करना।

शरीयत के आधार पर न्याय करना, काजियों की नियुक्ति करना भी इस विभाग के ही कार्य होते थे।

कुछ इतिहासकार जैसे हबीबुल्ला, कुरैशी इस विभाग को विदेशी विभाग मानते हैं। इस विभाग को धार्मिक विभाग मानते हैं।

⇒ अन्य अधिकारी :-

→ वकील -ए- दर -

Scanned with CamScanner

SELCO

Date :

शाही आवश्यकताओं की पूर्ति करने वाला तथा कारखानों का प्रमुख।

- सर - ए - जानदार :-
  सुल्तानों के अंगरक्षकों का प्रमुख।
- अमीर - ए - हाजिब :-
  दरबारी शिष्टाचार से संबंधित अधिकारी।
- कोतवाल —
  नगरों का प्रमुख।
- अमीर - ए - बहरी —
  नौ सेना का प्रमुख

- अमीर ए - आखूर —
  शाही घुड़साला का प्रमुख।
- शहना - ए - पील —
  शाही हाथियों का प्रमुख।

Scanned with CamScanner

Date : ______

- तलैया / भरकी –
        सैन्य गुप्तचर।
- मुतसद्दी –
        बंदरगाह का प्रमुख।
- मुहतसिब :-
        शरीयत के कानूनों का पालन जनता के आचरण पर निगरानी करने वाला अधिकारी।

इस प्रकार सल्तनत कालीन केन्द्रीय व्यवस्था काफी सुदृढ़ थी तथा सभी के सर्वोच्च सुल्तान के हाथ में ही निहित होता था

DR. UDAY KUMAR
DR. L.K.V.D. College Tajpur

Scanned with CamScanner